

वित्त मंत्रालय में उमंत्रो (श्रीमती तारकशर सिन्हा) : (क) और (ख). भारत-स्थित अमरीकी राजदूत ने २१ मई १९६३ को घोषणा की कि अमरीकी अधिकारी नीचे लिखे तीन ऋण दे रही हैं :—

(१) रामगुण्डम के तापीय बिजली घर (थर्मल पावर स्टेशन) पर रुपये के रूप में खर्च कराने के लिए पी० एल० ४८० प्रतिरूप निधि (काउण्टर पार्ट फण्ड) से ३.७ करोड़ रुपये का रुपया-ऋण ;

(२) झरिया के कोयला क्षेत्र की रज्जु-मार्ग-प्रयोजना (रोपवे प्रोजेक्ट) के विदेशी मुद्रा व्यय के लिए ७७ लाख डालर का डालर-ऋण ;

(३) दुगड़ा के कोयला साफ करने के कारखाने के दूसरे दौर के विदेशी मुद्रा व्यय के लिए ५१ लाख डालर का डालर-ऋण ।

ऋण-सम्बन्धी करारों पर अभी हस्ताक्षर नहीं हुए हैं । पर अनुमान है कि शर्तों नीचे लिखे अनुसार होंगी :—

(1) रामगुण्डम के लिए रुपया ऋण

यह ऋण ४० वर्षों में चुकाया जायेगा जिसमें ४ वर्ष की वह अवधि भी शामिल है जिसमें कोई अदायगी नहीं की जायेगी । इस ऋण पर ४ प्रतिशत की दर से व्याज दिया जायेगा ।

(11) अनुमान है कि डालर ऋण भी ४० वर्षों में चुकाये जायेंगे । इस अवधि में १० वर्ष का वह समय भी शामिल है जिसमें कोई अदायगी नहीं करनी पड़ेगी । इन ऋणों पर व्याज नहीं लिया जायेगा, पर हर साल $\frac{1}{4}$ प्रतिशत की दर से ऋण-शुल्क लगेगा ।

२. प्रायोजनाओं के अनुसार इन ऋणों की मुख्य बातें नीचे दी गयी हैं :—

राम गुण्डम बिजली घर की वर्तमान स्थापित क्षमता (इन्स्टाल्ड केपसिटी) ३७.५ मेगावाट है । ८४ लाख डालर के डालर ऋण

और ३.७ करोड़ रुपये के रुपया-ऋण से बिजली घर में ६०./६२.५ मेगावाट का टर्बो-जनरेटर और उसके साथ एक सहायक बायलर लगाकर तथा दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था करके उसका विस्तार किया जायेगा । इससे तेलंगाना क्षेत्र में उद्योगों का और भी विस्तार हो सकेगा ।

झरिया की कोयला खानों में रज्जुमार्ग (रोपवे) प्रायोजना से कुल २५ मील की दूरी में हर साल ३० लाख टन रेत डोया जायेगा । कोयला खानों में यह रेत खाली जगहों में भरी जायेगी ताकि वह खम्बों का काम दे सके । इस प्रायोजना से हर साल लगभग १५ लाख टन ज्यादा कोयला प्राप्त हो सकेगा ।

दुगड़ा के कोयला साफ करने के कारखाने में पहले दौर में, हर साल २४ लाख टन कोयला साफ किया जा रहा है और २१ मई १९६३ को जिस डालर ऋण की घोषणा की गई है उससे कारखाने के दूसरे दौर का काम पूरा किया जायेगा । अनुमान है कि दूसरे दौर में कारखाने की क्षमता ४८ लाख टन मानी दुगनी हो जायेगी । इस कोयले में ३३ प्रतिशत से ज्यादा राख पैदा करने वाली स्लेट होती है । इस्पात मिलों को ऐसा कोयला चाहिए जिसमें १७ प्रतिशत से ज्यादा राख न हो । कोयले को कूटने और साफ करने की प्रक्रिया के द्वारा कोयला साफ करने का यह कारखाना इस्पात मिलों को ऐसा ईंधन मुहैया करता है जो उन्हें मंजूर होता है ।

Smallpox in Delhi

{ Shri D. C. Sharma:
} Shri Navaj Prabhakar:
*645. { Shri P. C. Borooah:
} Shri D. D. Puri:

Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether the number of small-pox cases in Delhi is on the increase;

(b) if so, the figures for the first six months of the current year as compared to the corresponding period during the last year; and

(c) the steps proposed to be taken in the matter?

The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar): (a) and (b). The statement placed on the Table shows that there was a higher incidence of smallpox in Delhi during the first six months of 1963 than in the preceding year.

(c) The following steps are being taken in this connection:

Mass vaccination against smallpox has been carried out in all areas of Delhi. Fresh steps have been taken to carry out the campaign by systematic house to house visits in accordance with the recommendations made by the Independent Assessment and Evaluation Committee which was set up in March 1963 to evaluate the programme. To deal with the floating population the Delhi Municipal Corporation is appointing a special mobile squad of vaccinators.

STATEMENT

| Month | Cases of small pox | |
|-------------|--------------------|------|
| | 1962 | 1963 |
| 1. January | 10 | 74 |
| 2. February | 16 | 66 |
| 3. March | 15 | 81 |
| 4. April | 16 | 86 |
| 5. May | 53 | 84 |
| 6. June. | 34 | 76 |
| TOTAL | 144 | 467 |

Dandakaranya Project Report

*646. { Shri P. C. Borooah:
Shri Maheswar Naik:

Will the Minister of Works, Housing and Rehabilitation be pleased to state:

(a) whether Government have taken a decision on the future development programme of Dandakaranya in the light of the study of the revised report on the Dandakaranya Project recently submitted to Government by the Chief Administrator of D.D.A.; and

(b) if so, the outlines of the programme?

The Minister of Works, Housing and Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): (a) and (b). The Project report was referred to the Governments of Madhya Pradesh and Orissa about four months back. Their comments have not been received so far. After the comments have been received, the matter will be examined by the Dandakaranya Development Authority.

Survey of Water Resources

*647. { Shri Warrior:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Dinen Bhattacharya:

Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration to set up a high power body to undertake an all-India survey of the water resources of the country; and

(b) if so, when that body is likely to be set up?

The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar): (a) The Technical Committee of the Planning Commission has asked the Health Ministry to carry out studies pertaining to problem of water pollution and water supply for domestic uses.